IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विद्यार्थियों की पर्यारणीय जागरूकता में ईको क्लब की भूमिका

तबस्सुम फातिमा खान
अतिथि शिक्षक
सी.एम. राईज आनंद नगर, स्कूल, खण्डवा (म.प्र.) 450001

सुश्री सीमा शर्मा
सहा- प्राध्यापक
डॉ.सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी (शिक्षा विभाग) खण्डवा 45001

डॉ. ज्योति पाल
से म ग्लोबल यूनिवर्सिटी (शिक्षा विभाग) भोपाल (म.प्र.)

सारांश :- प्रस्तुत शोध का उद्देश्य विद्यार्थियों की पर्या जागरूकता में ईको क्लब की सार्थक - भूमिका है। परिकल्पना विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में ईको क्लब की सार्थक भूमिका नहीं है। खण्डवा जिले के 5 सरकारी स्कूल के 100 विद्यार्थियों का चयन किया है। चयन यादृच्छिक चयन से किया गया है और प्रश्नावली विधि का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों का मत जानकर आँकड़ों का संकलन किया और इन आँकड़ों का सारिण्यकीय विश्लेषण किया गया है और पाया गया है कि विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में इकोक्लब की धनात्मक भूमिका है। ईको क्लब द्वारा संचालित कार्यक्रमों से जैसे करो व सीखो, कचरा प्रबंधन, बिजली का सही उपयोग, पानी बचाओ, वृक्षों एवं प्राणियों का संरक्षण के द्वारा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता का विकास हुआ है।

मुख्य बिंदु :- पर्यावरणीय जागरूकता , इको क्लब ।

प्रस्तावना:- पर्यावरणीय जागरूकता का अर्थ- पर्यावरण जागरूकता से हमें पर्यावरण संबंधी तथ्यों, घटकों, प्रत्ययों तथा कारणों की जानकारी होती है। इसके द्वारा हमारे ज्ञानात्मक पक्ष का विकास होता है। पर्यावरण जागरूकता लाने में ईको क्लब का योगदान है। ईको क्लब नेशनल ग्रीन कोर के अंतर्गत चलाये जाने वाला एक क्लब है। पर्यावरण से संबंधित अनेक समस्याओं का हल करने के लिये हमें विद्यार्थियों को जागरूक करना होगा क्योंकि विद्यार्थी ही हमारे समाज की नीव है। ईको क्लब के द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन होता है जैसे पर्यावरणीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम, पर्यावरण मित्र कार्यक्रम का आयोजन करना । करो व सीखो कार्यक्रम, जीवनदायिनी ब्लड बैंक की स्थापना करना। ऐसे कई कार्यक्रमों का आयोजन करके हम पर्यावरण जागरूकता लाने का प्रयास करते हैं।

ईको क्लब :- ईको क्लब छात्रों का एक समूह है जो पर्यावरण के लाभ हेतु कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्रों को पर्यावरण के करीब लाना है यह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देशभर के लिये एक कार्यक्रम बनाया है जिसको NGC (राष्ट्रीय हरित कोर्स) के "पर्यावरण शिक्षा, जागरूकता एवं प्रशिक्षण (EEAT) के अंतर्गत (ECO CLUB) ईको क्लब का संचालन होता है इसके अंतर्गत कई कार्यक्रम का आयोजन होता है।

1) पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम

2) पानी रोको अभियान
3) पर्यावरणीय जनचेतना के लिये नाटक, रैली, लोकपर्व लोक उत्सव का आयोजन।
4) पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता बताना।
5) वृक्षारोपण एवं वृक्ष कटाव को रोकने हेतु कार्यक्रम ।
6) खाद का निर्माण।
7) करो व सीखा गतिविधियों कार्यक्रम ।
8) बिजली का उपयोग।
9) जीव-जंतु एवं पौधों का डेटा बैंक तैयार करना।
10) कचरा प्रबंधन ।

उद्देश्य:- विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में ईको क्लब की सार्थक भूमिका है।

परिकल्पना :- विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में ईको क्लब की सार्थक भूमिका नहीं है

शोध प्रक्रिया :- ईको क्लब की सक्रियता का अध्ययन करने के लिये प्रश्नावली विधि का उपयोग

न्यादर्श- प्रस्तुत अध्ययन में खण्डवा जिले के 5 सरकारी स्कूल के छात्रों का चयन यादृच्छिक चयन विधि से किया है। इन शालाओं से 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण - प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया। स्वनिर्मित प्रश्नावली में सम्मिलित आयाम

1) सहमत 2) असहमत 3) आंशिक असत्यता

चर - प्रस्तुत शोध में चरों का वर्गीकरण निम्नानुसार –

1) स्वतंत्र चर- ईको क्लब । 2) आश्रित चर- पर्यावरणीय जागरूकता ।

सांख्यिकी विश्लेषण :- प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण मध्यमान की संगणना की गई। 100 विद्यार्थियों से प्रश्नावली विधि के माध्यम से प्रश्न किये गये और निम्न आँकड़ों का संकलन किया गया।

सारणी

ईको क्लब के कार्यक्रम

क्रमांक	ईको क्लब के कार्यक्रम	सहमत	असहमत	आंशिक सहमत
1.	पानी रोको अभियान सीखना	60%	40%	0%
2.	करो सीखो गतिविधि	55%	35%	10%
3.	वृक्षों का रख-रखाव	70%	30%	0%
4.	जलसंरक्षण की आदत	74%	26%	0%
5.	क्षेत्र भ्रमण का आयोजन	85%	15%	2%
6.	पर्यावरण संरक्षण के लिये	90%	10%	0%
7.	चित्रकला का आयोजन	50%	30%	30%
8.	पर्यावरणीय जागरूकता के लिये	40%	30%	20%
9.	नाटकों का आयोजन	76%	20%	4%
10.	खाद निर्माण सीखना	64%	24%	12%
	कचरा प्रबंधन का आयोजन			
	बिजली के उपयोगों से अवगत कराना			

सारणी (ग्राफ)

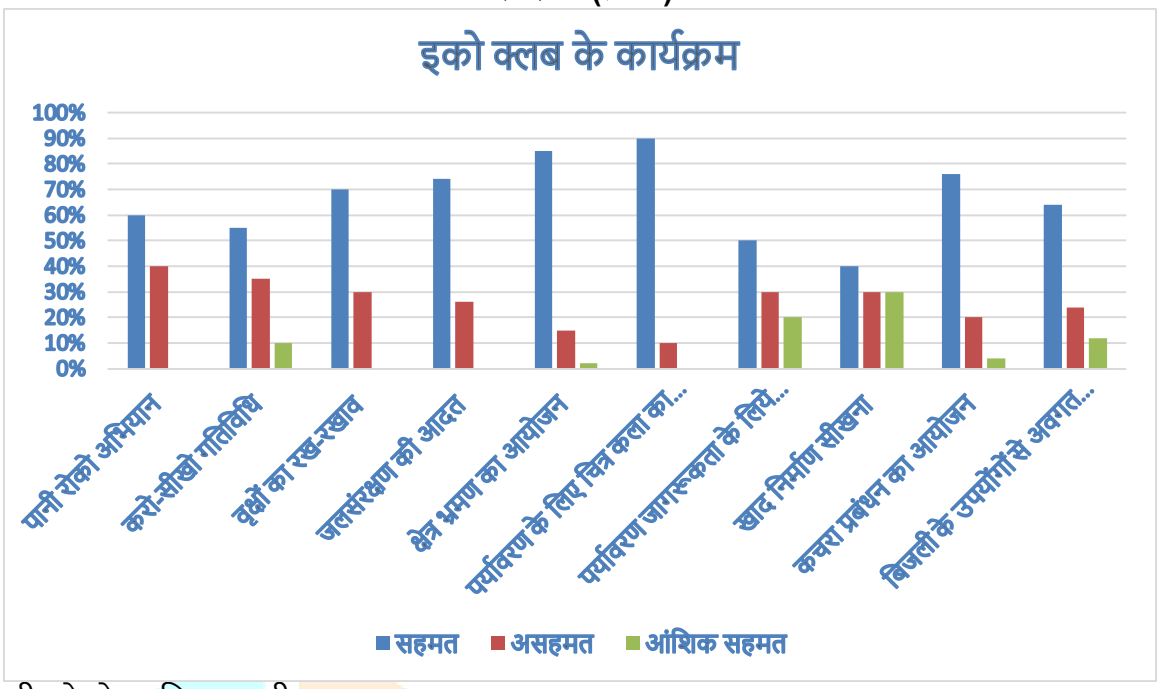

1. पानी रोको अभियान सीखना
2. करो सीखो गतिविधि
3. वृक्षों का रख-रखाव
4. जलसंरक्षण की आदत क्षेत्र भ्रमण का आयोजन
5. पर्यावरण संरक्षण के लिये
6. चित्रकला का आयोजन
7. पर्यावरणीय जागरूकता के लिये
8. नाटकों का आयोजन खाद निर्माण सीखना
9. कचरा प्रबंधन का आयोजन
10. बिजली के उपयोगों से अवगत कराना

निष्कर्ष - प्रस्तुत शोध में संकलित ऑकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण किये जाने पर निम्नलिखित निष्कर्ष पाये गये है। विद्यार्थियों पर्यावरणीय जागरूकता लाने में ईको क्लब के द्वारा आयोजित कार्यक्रम चित्रकला प्रतियोगिता, क्षेत्र भ्रमण, कचरा प्रबंध, जल संरक्षण, वृक्षों का रख-रखाव करो व सीखो गतिविधि, बिजली का सही उपयोग आदि कार्यक्रमों का धनात्मक प्रभाव देखा गया हैं विद्यार्थी पर्यावरण के लिये जागरूक हुआ है। प्राप्त आँकड़ों के माध्यम से परिकल्पना को निरस्त किया जाता है।

सुझाव –

1) ईको क्लब में क्षेत्र भ्रमण मोगली उत्सव खाद निर्माण और पर्यावरण से संबंधित आदतों का विकास करने के लिये और कार्यक्रमों का अयोजन किया जाना चाहिये।
2) ईको क्लब में आम नागरिक को भी सम्मिलित किया जाना चाहिये ।
3) वृक्षारोपण अधिक से अधिक करवाना चाहिए |

सन्दर्भ साहित्य :-

1. के.शिव कुमार पाटिल (मंगला)2007, स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर पर्यावरणीय शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन
2. गोपाल कृष्णानन, सरोजनी (1992) प्रायमरी स्कूल के छात्रों पर पर्यावरण शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन । पी.एच्.डी अविनाश लिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर रिसर्च इन एजुकेशन , वॉल्यूम । 1754 नई दिल्ली NECRT
3. शहनवाज (1990) माध्यमिक व उ.मा.वि. के शिक्षकों व छात्रों पर पर्यावरण शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन । पी.एच्.डी यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान , फिफ्थ सर्वे ऑफ़ रिसर्च इन एजुकेशन , वॉल्यूम । 1754 नई दिल्ली NECRT
4. शर्मा-आर.ए.शोध प्रबंधन लेखन, लॉयल बुक डीपो, मेरठ-1984
5. राय परसनाथ अनुसन्धान परिचय लक्ष्मीनारायण अग्रवाल आगरा-3 , 1996
6. श्रीवास्तव पंकज पर्यावरण शिक्षा म.प्र हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल 1998
7. श्रीवास्तव डी. एन अनुसन्धान विधियाँ साहित्य प्रकाशन आगरा 2004
   - दैनिक भास्कर समाचार पत्र ।
   - चुनौती पत्रिका|
   - बालरंग नई दुनिया पत्रिका ।
   - शिक्षक प्रशिक्षण नई विधाओं भाग-1 राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् म.प्र.भोपाल ।

1.